प्रति,

कुलसचिव
दुर्ग विश्वविद्यालय
दुर्ग

विषय-कोविड 2019 के रोकथाम व बचाव हेतु महाविद्यालय के रासेयो इकाई द्वारा जनजागरूकता व विभिन्न रचनात्मक कार्यो के सम्बन्ध में जानकारी

महोदय,

कोविड 2019 के रोकथाम व बचाव हेतु महाविद्यालय के रासेयो इकाई द्वारा जनजागरूकता के विभिन्न रचनात्मक गतिविधियो के जानकारी इस प्रकार है:-

1.जागरूकता प्रहरी कार्यक्रम-इस कायर्क्रम का प्रारम्भ 24 मार्च से किया गया, इसके अंतर्गत स्वयंसेवको ने अपने ग्राम में कोरोना जागरूकता प्रहरी के रूप में कार्य करते हुए आम जनों को फोन कर लाकडाउन का पालन करने व कोरोना के लक्षण व बचाव के सम्बन्ध में जागरूकता व जानकारी का प्रसार किया|

2.मास्क व साबुन का वितरण- अर्जुन्दा नगर में मास्क व सेनेटाईजर का वितरण किया गया इस कार्य में महाविद्यालय की रासेयो इकाई के स्वयं सेवक धर्मेन्द्र कुमार की विशेष रूप से सहभागिता रही|

3.सोशल डिसटेंनसिंग के पालन व 'आरोग्य सेतु' एप्प को प्रयोग करने हेतु आम नागरिको में जागरूकता प्रसार- अर्जुन्दा नगर में बाजार चौक में स्वयं सेवको द्वारा आम जनों को सोशल डिसटेंनसिंग के पालन हेतु जागरूक किया गया और शहर के विभिन्न चौक-चौराहों में जागरूकता प्रसार का सतत प्रयास किया जा रहा है इस कार्य में महाविद्यालय की रासेयो इकाई के स्वयं सेवक योगेन्द्र चंद्राकर व महेश गुप्ता की विशेष रूप से सहभागिता रही|

4.पी.डी.एस. के राशन वितरण में सहायता- महाविद्यालय के स्वयं सेवको द्वारा अर्जुन्दा नगर में पी.डी.एस. के राशन का हितग्राहियों को वितरण में सहायता की|

5. 'कोरोना वारियरर्स' स्वास्थ्य कर्मियों व पुलिसकर्मियों के प्रति आभार व्यक्त करना- महाविद्यालय के स्वयं सेवको द्वारा अर्जुन्दा नगर में पदस्थ स्वास्थ्य कर्मियों व पुलिसकर्मियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया तथा आवश्यकतानुसार पेयजल व खाद्य सामग्री का वितरण किया गया|

6.जरूरतमंद परिवारों को चावल सब्जी व अन्य खाद्य सामग्री का वितरण- महाविद्यालय के स्वयं सेवको द्वारा दिनांक 9.4.20 को अर्जुन्दा नगर वार्ड क्र 1 में जरूरत मंद परिवारों को चावल सब्जी व अन्य खाद्य सामग्री का वितरण किया गया|

7.सोशल मीडिया पर वीडियो व वालपेपर के माध्यम से जनजागरूकता का प्रयास-

महाविद्यालय के स्वयं सेवको द्वारा वीडियो व वालपेपर के माध्यम से जनजागरूकता का प्रसार का प्रयास किया गया इसमें लाकडाउन का पालन करने व कोरोना के लक्षण व बचाव के सम्बन्ध में सभी से अपील की गयी|इस कार्य में धर्मेन्द्र कुमार और योगेन्द्र चंद्राकर का उल्लेखनीय योगदान रहा|

8. महाविद्यालय के स्वयं सेवको द्वारा अर्जुन्दा नगर में दुकानों के सामने सोशल डिसटेंनसिंग के पालन हेतु सांकेतिक 'गोल चक्र' का निर्माण व दीवारों पर बीमारी से बचाव हेतु संदेशो का लेखन किया गया इस कार्य में धर्मेन्द्र कुमार का उल्लेखनीय योगदान रहा|

संलग्न-समाचार पत्रों में प्रकाशित समाचार व छायाचित्र

रासेयो प्राचार्य

कार्यक्रम अधिकारी

शा.महा.अर्जुन्दा

परिवारों को कोरोना संक्रमण से बचाव के कोरोना संक्रमण से बचाव के उपाय भी समझाए खान, प्रदीप

बालोद जिला के एनएसएस स्वयंसेवक कर रहे हैं कोरोना वायरस से बचने के लिए लोगों जागरूक

गुंडरदेही (प्रखर)। कोरोना वायरस से बचने के लिए एनएसएस स्वयंसवेकों के द्वारा गांव गांव में जागरूकता कर हे जिसे गांव के दिवालो में चित्र,नारे,संदेश व साथ ही साथ हाथ धोने के तरीके व जरूवातमंद लोगो को मास्क वितरण भी कर रहे हैं वही कई स्वयंसेवक फिजिकल डिस्टेंस को जागरूक करते हुवे राशन दुकान,नल बोरिंग आदि जगह मे चुने के गोले बनाये हैं साथ ही कई सक्रिय स्वयंसेवक बच्चों के माध्यन भोजन के राशन को वितरण करने में मदद किया वही हमारे स्वयंसेवको द्वारा गरीब घरों में सब्जी वितरण भी किया इस कोरोना वायरस जागरूकता अभियान में शहीद कौशल यादव महाविद्यालय गुंडरदेही, माता कर्मा महाविद्यालय गुंडरदेही,माँ बहादुर कलारिन महाविद्यालय गुरूर,कंगला माझी महाविद्यालय डौंडी, शा महाविद्यालय अर्जुन्दा के सक्रिय स्वयंसेवक अपना सहयोग प्रदान किये इसके जागरूकता के मार्गदर्शन रासेयो जिला संगठक डॉ लीना साहू जिला बालोद व कदम से कदम मिलते हुवे कार्यक्रम अधिकारी डॉ अभिषेक पटेल,डॉ आयुष्मान मिश्रा, के के सिन्हा, डॉ नजमा बेगम, जिन्हों ने स्वयंसेवको से वीडियो कॉल आदि माध्यम से संपर्क बनाये व सुझाव दिए। साथ ही वरिष्ठ स्वयंसेवक मनोज साहू,कौशल गजेंद्र निर्देशन से किया गया जिसमे स्वयंसेवक डोमेन्द्र पिपरिया, अमर दास, अजय सिन्हा, रवीना, आकाश, गीतांजलि, गुंजा, नितेशराजा आदि दलनायक, सक्रिय रूप कार्य किया।

कोरोना को हराने एनएसएस ने ग्रामीण क्षेत्रों में अभियान चलाकर फैलाई जागरुकता

दुर्ग(पहट)। शासकीय महाविद्यालय अर्जुन्दा राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के कार्यक्रम अधिकारी आयुष्मान मिश्रा व महाविद्यालय के स्वयं सेवकों द्वारा कोरोना वायरस संक्रमण को रोकने जन जागरूकता अभियान चलाया गया। यह देखा जा रहा है कि शहरी क्षेत्रों की तुलना में ग्रामीण क्षेत्रो में कोरोना को लेकर जागरूकता का अभाव है। आमजन संक्रमण और बचावो के प्रति सजग नही है। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए। यह अभियान प्रारम्भ किया गया है। इस योजना के अंतर्गत स्वयं सेवक "जागरूकता प्रहरी" के रूप में कार्य कर रहे है। अभियान की मॉनिटरिंग प्रो.मिश्रा ऑनलाइन वीडियो कॉन्फेंस और सोशल मीडिया के माध्यम से कर रहे है। इसके अंतर्गत इकाई के सभी 100

स्वयं सेवक अगले 21 दिनों तक प्रतिदिन अपने गाँव के दो नागरिको को फोन कर कोरोना के संबंध में जानकारी प्रदान कर रहे है। जागरूकता प्रसार के साथ साथ स्वयंसेवक सफाईकर्मी,पुलिसकर्मियों और डॉक्टरों को फोन कर या सोशल मीडिया के माध्यम से उनके प्रति आभार भी व्यक्त कर रहे है।जिससे आपातकालीन परिस्थितियों में उनमे उत्साह का संचार हो रहा है।

जागरूकता प्रहरी कार्यक्रम के अंतर्गत स्वयं सेवक ग्रामीणों को फोन कर नियमित रुप से साबुन से हाथ धोने, शासन के निर्देशों का पालन, सोशल मिडिया में प्रसारित भ्रामक मैसेजों को सांझा नहीं करने, कोरोना संदिग्धों के विषय मे हेल्पलाइन नंबर में सूचना देने, कोरोना वायरस के लक्षणों की जानकारी दी जा रही है।

ट्विनसिटी

1

भिलाई(पहट)। कोरोना ही जा रहे हैं। एक ओर जह संख्या में लगातार बढ़ोत्तरी

चित्र: 1:जरूरतमंद परिवारों को चावल सब्जी व अन्य खाद्य सामग्री का वितरण

चित्र:2:मास्क व साबुन का वितरण

चित्र:3:सोशल डिसटेंनसिंग के पालन हेतु सांकेतिक 'गोल चक्र' का निर्माण

चित्र:4:'कोरोना वारियरर्स' पुलिसकर्मियों को चाय व खाद्य सामग्री का वितरण

चित्र:5:'आरोग्य सेतु' एप्प को प्रयोग करने हेतु आम नागरिको में जागरूकता प्रसार

चित्र:6:वालपेपर के माध्यम से जनजागरूकता